

प्रेषक

विनोद फोनिया,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

मुख्य अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष
सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड,
देहरादून।

सिंचाई विभाग

देहरादून दिनांक 17 दिसम्बर, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में केन्द्रपुरोन्मोदित बाढ़ सुरक्षा योजनाओं हेतु धनावंदन पुनर्विनियोग।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र सं०-4402नु/अ0दि0/1जट/बी-1 सामान्य दिनांक 16.10.08 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निवेदन हुआ है कि केन्द्रीय बाढ़ सुरक्षा योजनाओं के लिए रु०-1992.00 लाख (नौ करोड़ ब्याने लख मात्र) की धनराशि संलग्न बी०एम-15 के विवरणानुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध रुधियों से पुनर्विनियोग द्वारा व्यव हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय विनिलिखित प्रतिबन्धों के साथ सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- 1- सम्बन्धित धनराशि का व्यव केवल उसी योजना के अन्तर्गत किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति जारी की जा रही है। धनराशि के अन्यत्र विचलन की दशा में सम्बन्धित अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 2- धनराशि व्यव करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की तकनीकी स्वीकृति एवं कार्य के आगमन सहन अधिकारी से अवश्य स्वीकृत करा लिये जाय।
- 3- उक्त व्यव में खजाने में अनुपलब्ध वित्तीय हस्तानुसिद्धता, उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं शासन द्वारा विधिवत की विधि में समय-समय पर जारी किये गये आदेशों एवं निर्देशों का पूर्ण रूप से पालन किया जाय।
- 4- जहाँ आवश्यक हो कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व भूखण्ड वैज्ञानिक से उपयुक्तता के सम्बन्ध में आस्था प्राप्त कर ली जाय तथा कार्य के सम्बन्ध में पर्याप्त मुख्य निरीक्षी तकनीक का प्रयोग किया जाय।
- 5- स्वीकृत धनराशि के साक्ष्य व्यव एवं उपयोगिता के सम्बन्ध में आवश्यक प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर प्रत्येक महीने के अन्त में नियमानुसार निर्धारित लिखित तब महालेखाकार उत्तराखण्ड, राज्य सरकार एवं जिला विभाग की उपलब्ध कराया जाय।
- 6- कार्य की समवेधकता एवं गुणवत्ता हेतु सम्बन्धित अधिकारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 7- विभागीय कार्य करने से पूर्व सिंचाई विभाग/लाक निर्माण विभाग की दरा पर आगमन गठित कर एवं तकनीकी अधिकारियों की संस्तुति के उपरान्त ही कार्य प्रारम्भ किया जायेगा।
- 8- धनराशि आहरण सी०सी०एल० हेतु निर्धारित नियमान्तर्गत ही किया जायेगा।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपभोग दि० 31.03.09 तक करना सुनिश्चित किया जायेगा तथा कृत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति विवरण शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। स्वीकृत धनराशि के पूर्ण उपभोग के बाद ही पत्रव्यव की उपलब्धता पर अग्रिम किस्त स्वीकृत की जायेगी।
- 10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यव चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के आय-व्यय की अनुदान मख्या-20 में आयोजनागत मद के अन्तर्गत मददे 4711-बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं पर पूँजीगत परियोजना 01-बाढ़ नियंत्रण आयोजनागत 101-सिविल निर्माण कार्य

01-कन्दोप आवाजनामा/केन्द्र द्वारा पुरवित्तनियम प्रदान 01-नवी न सुता 1980 कटाप
निदेशक तालना में 24-वृहद निर्माण कार्य के नाम काजा जयना एव सलग्न पुनर्वित्तनियम
जनर के तर्मा-1 की बवती से पडन किया जावेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के असातकीय सख्या 884/XXVII-3/2008 दि० 03/12/08 में प्राप्त
उनकी सहमति से जारी किया जा रहे हैं।

सलग्न: यथोक्त

भवदीय,

(विनोद फोनिया)
अपर सचिव

सख्या 3963 / 11-2008- ./03(32)/08 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित का सूचनाय एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1-महालेखकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2-निजी सचिव, नर सिन्हा नत्री जी को नत्री जी के सङ्गतार्थ।
- 3-वित्त अनुभाग-2 उत्तराखण्ड शासन।
- 4-नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 5-मुख्य अभियन्ता एवं विभागध्यक्ष, सिधौ विमान, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 6-निदेशक, राजकोषीय नियोजन तथा साराधन निदेशालय, सचिवालय।
- 7-परराष्ट्र कोषाधिकारी देहरादून।
- 8-निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 9-गार्ड फाइल।

सलग्न: यथोक्त

(एसएम0टोलिया)
अनु सचिव

2017-08-10

સાચીકરણ પાંચ
18મી સપ્ટેમ્બર 2

સાચીકરણ પાંચ
સાચીકરણ પાંચ
સાચીકરણ પાંચ

પ્રતિનિધિયો રસીકરણ
(પ્રતિનિધિયો)
સાચીકરણ

સાચીકરણ પાંચ
સાચીકરણ પાંચ

3963/14 2007 3(34) 17-12-08

સાચીકરણ પાંચ
સાચીકરણ પાંચ

સાચીકરણ પાંચ
સાચીકરણ પાંચ
સાચીકરણ પાંચ

(સાચીકરણ પાંચ)
સાચીકરણ પાંચ